**Thirteenth Loksabha**

**Session : 10**
**Date : 26-04-2002**
**Participants : Khurana Shri Madan Lal ,Sengupta Dr. Nitish ,Tiwari Shri Lal Bihari ,Verma Dr. Sahib Singh ,Malhotra Prof. Vijay Kumar ,Arya Dr. Anita**

**Title:** Regarding power and water supply crisis in Delhi.

**श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से दिल्ली में बिजली, पानी के भीाण संकट से दिल्लीवासियों में त्राहि-त्राहि मची हुई है, की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं। अभी दिल्ली में गर्मी का मौसम शुरु हुआ है कि बिजली, पानी का भीाण संकट पैदा हो गया है। 23 अप्रैल को जिस तरह से संसद के अंदर बिजली काफी दे तक गुल रही, उसे आपने भी देखा। अखबारों में 2-3 हैडिंग इस प्रकार से ये हैं " पानी संकट से त्रस्त आर.के. पुरम के लोगों का सब्र टूटा"" सांसदों ने चखा संसद में बिजली संकट का स्वाद"," बिजली संकट से निपटने के लिये कोई ठोस कार्यवाही नहीं, कागज़ी योजना"...(व्यवधान)

**श्री रामदास आठवले (पंढरपुर)** : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा भी सबमिशन है।

**उपाध्यक्ष महोदय :** लेकिन मुझे आपका नोटिस नहीं मिला।

**श्री मदन लाल खुराना :** उपाध्यक्ष जी, यहां केवल कालोनियों की ही बात नहीं है। दिल्ली की एक करोड़ 40 लाख आबादी में से 70 लाख लोग अनधिकृत कालोनियों- झुग्गी-झोंपड़ियों में रहते हैं और उसके कारण उन्हें पानी नहीं मिल रहा है। पानी के टैंकर्स नहीं पहुंच रहे हैं। मैं इस ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं कि दिल्ली में पानी का इतना संकट है कि पिछले साल 800एम.जी.डी., इस वर्ा 850 एम.जी.डी. की डिमांड है जबकि सप्लाई केवल 650 एम.जी.डी. रही है। इस प्रकार 200 एम.जी.डी. की कमी है।

उपाध्यक्ष जी, 1994 में जब मैं दिल्ली का मुख्यमंत्री था, उस समय पड़ोस के पांच राज्यों के साथ यमुना का एक समझौता हुआ था जिसमें यह फैसला लिया गया था कि हरियाणा से मुनक नहर जो कच्ची है और 100 साल पुरानी है, उसे बनाने के लिये 100 करोड़ रुपया लगना था जिसमे से 5 करोड़ रुपया एडवांस में दिया हुआ है लेकिन आज तक यह नहर नहीं बनी जिसके परिणामस्वरूप 30 परसेंट पानी हरियाणा से आने पर रास्ते में ही कच्ची जमीन द्वारा सोख लिया जाता है। दो साल पहले सैंट्रल गवर्नमेंट ने 140 एम.जी.डी. पानी दिल्ली सरकार को दिये जाने का फैसला किया था लेकिन आपको जानकर ताज्जुब होगा कि दो साल पहले इस नहर का काम पूरा होना था, वह नहीं हुआ। मुरादनगर से दिल्ली बड़ी लाइन केवल 16 प्रतिशत बनकर तैयार हुई है ।वाटर

वर्क्स का काम केवल 36 फीसदी हुआ है और कालोनियों में जो पाइप पड़नी थी, उसका कहीं अता-पता नहीं है। नांगलोई का 60 प्रतिशत पानी है, जबकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार 125 क्यूसेज पानी मिलना चाहिए। उसकी लाइनें भी टूटी हुई हैं, लेकिन कोई उस तरफ ध्यान नहीं देता। मैं बिजली के बारे में कहना चाहता हूं कि दिल्ली में दो दिन पहले तक जो सप्लाई थी, वह 2760 मेगावाट थी, जबकि डिमांड 3250 मेगावाट है। मजेदार बात यह है कि डिमांड इतनी है, लेकिन दिल्ली में डी.वी.बी. का रिंग सर्किट तीन हजार मेगावाट से ज्यादा बिजली नहीं दे सकता है और अभी तक वह पूरा सर्किट बनकर तैयार नहीं हुआ है। इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूं कि यह जो दिल्ली में बिजली-पानी की भीाण संकट है,

**12.11 hrs**. (डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय पीठासीन हुए).

यह दिल्ली सरकार के निकम्मेपन और अपराधपूर्ण लापरवाही का ही परिणाम है। जिसके कारण आज दिल्ली के लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। जैसा मैंने पहले कहा कि अभी गर्मी शुरू हुई है, जब मई और जून का महीना आयेगा तो दिल्ली की क्या हालत होगी।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से संबंधित मंत्रियों से निवेदन करना चाहता हूं कि वे दिल्ली सरकार के मंत्रियों को बुलाकर बात करें और आगे क्या एक्शन प्लान है तथा क्या करने वाले हैं, उसमें जो भी सहायता हो सके, देकर दिल्ली को राहत दें तथा दिल्ली को बिजली-पानी के संकट से मुक्त कराया जाए, यही मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन करना चाहता था।

DR. NITISH SENGUPTA (CONTAI): I am associating myself with the sentiments expressed by Shri Madan Lal Khurana.

**श्री प्रियरंजन दासमुंशी :** उपाध्यक्ष जी, दिल्ली के लिए केन्द्रीय मंत्रिमंडल में एक नया पद बनाया जाए और खुराना जी को उसकी जिम्मेदारी दी जाए।...(व्यवधान)

**श्री लाल बिहारी तिवारी :** सभापति महोदय, जैसा खुराना जी ने बताया कि दिल्ली की शीला दीक्षित की कांग्रेस सरकार के कारण बिजली और पानी की समस्या से दिल्ली के लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। मैं पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं। पूर्वी दिल्ली और बाहरी दिल्ली के संसदीय क्षेत्रों की आबादी लगभग 40 लाख है जिसमें झुग्गी-झोंपड़ी, पुनर्वास बस्ती तथा गांवों के लोग रहते हैं। रात को तीन-तीन, चार-चार बजे लोगों के फोन आते हैं कि पानी नहीं है और जब हम उनसे कहते हैं कि टैंकर भेजिये तो अधिकारी और मिनिस्टर कहते हैं कि टैंकर बहुत पड़े हैं, लेकिन वहां टैंकर नहीं मिलते हैं। लोग पानी के त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। जैसा खुराना जी ने बताया कि 850 एम.जी.डी.वाटर चाहिए, लेकिन 600 एम.जी.डी. पानी उपलब्ध है। 140 एम.जी.डी. वाटर प्वाइंट्स तैयार करने के लिए मेरे संसदीय क्षेत्र के सोनिया विहार में जो काम

शुरू होना था, वह दो साल में भी बनकर तैयार नहीं हुआ है। कांग्रेस की निकम्मी सरकार ने वहां काम शुरू नहीं किया। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं...(व्यवधान)

**श्री प्रियरंजन दासमुंशी :** यह क्या दिल्ली सरकार को बिजली-पानी की समस्या के लिए कोस रहे हैं, म्युनिसिपल कार्पोरेशन के चुनावों में आपकी क्या हालत हुई है, फिर भी आपकी समझ में नहीं आता।

**श्री लाल बिहारी तिवारी :** मैं आपसे विनती करता हूं कि दिल्ली के लोगों को बिजली और पानी के संकट से मुक्ति दिलाने के लिए दिल्ली में बिजली और पानी का विशेा प्रबंध किया जाए।

**डॉ. साहिब सिंह वर्मा (बाहरी दिल्ली)** : सभापति महोदय मैं सिर्फ यह निवेदन करना चाहता हूं...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Since he is from Delhi, he is supporting Shri Khurana. ... (*Interruptions*)

**संसदीय कार्य मंत्री तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) :** विकास नहीं करेंगे तो बेचारा वहां जाकर क्या देखेगा।

**डा. साहिब सिंह वर्मा** : सभापति महोदय, दिल्ली की निकम्मी कांग्रेस सरकार के कारण दिल्ली के लाखों लोग बेहद परेशान हैं, उन्हें इस सरकार से मुक्ति मिलनी चाहिए। दिल्ली सरकार के रहते दिल्ली में न पानी है और न बिजली है। यहां सारी व्यवस्थाएं खत्म हो चुकी हैं। अनअथॉराइज्ड कालोनियों को रेगुलराइज करने में ये लोग रुचि नहीं ले रहे हैं। इसलिए सही मायने में दिल्ली सरकार को बर्खास्त करने के लिए इसके खिलाफ पार्लियामैन्ट में एक मोशन आना चाहिए और नियम 184 के तहत आपकी परमीशन से उस पर चर्चा हो जाए और वोटिंग हो जाए, ताकि यह सरकार बर्खास्त हो सके।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : They are so frustrated after having lost in the Municipal elections in Delhi, that they are crying hoarse.

**डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) :** सभापति जी, दिल्ली में पिछले डेढ़-दो साल से बिजली के प्राइवेटाजेशन का मामला चल रहा है और डेढ़ साल में 3000 करोड़ रुपया तीन-चार कंपनियों को देकर सरकार बिजली को प्राइवेटाइज कर रही है। कांग्रेस पार्टी देश भर में तो प्राइ वेटाइजेशन और डिसइनवैस्टमेंट का विरोध करती है पर दिल्ली में प्राइवेटाइजेशन के नाम पर भयंकर भ्रटाचार होते हुए भी कुछ नहीं किया गया है। इस वजह से इस समय न सरकार बिजली की व्यवस्था ठीक कर रही है और न प्राइवेटाइझेशन कर रही है। परिणामस्वरूप बिजली के लिए

हाहाकार मचा हुआ है। बिजली नहीं होती तो पानी नहीं मिलता। बिजली और पानी के अभाव में दिल्ली की एक करोड़ चालीस लाख जनता त्राहि-त्राहि कर रही है और उसके लिए दिल्ली की कांग्रेस सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है। हम चाहेंगे कि केन्द्रीय सरकार संविधान की धारा 355 में दिल्ली सरकार के खिलाफ कार्रवाई करे और वैसे भी यह यू.टी. है, इसलिए दिल्ली सरकार पर सख्त कार्रवाई करे।

**डॉ.(श्रीमती) अनिता आर्य (करोल बाग)** : सभापति जी, दिल्ली सरकार में जो कांग्रेस के मुख्य मंत्री हैं, वह स्वयं जल बोर्ड की अध्यक्ष हैं। इसके बावजूद भी दिल्ली में बिजली और पानी की बेहद समस्या है। हाल में एन.डी.एम.सी. एरिया में 24 घंटे बिजली गायब रही जबकि वह वी.आई.पी. एरिया है और एम.पीज़ वहां रहते हैं। जब वी.आई.पी. एरिया का यह हाल है तो आम कलोनीज़ में क्या हाल होगा। इसके अलावा पानी की बेहद समस्या है। मेरे क्षेत्र में दो विधान सभा क्षेत्र आनन्द पर्वत और बलजीत नगर का एरिया पड़ता है। वहां पानी की बेहद समस्या है। पानी की कमी के कारण वहां की सीवर लाइनें भी ब्लाक हो रही हैं। इसके कारण वहां बीमारियां फैल रही हैं। वहां तत्काल बीमारियां फैलने से रोका जाना चाहिए और दिल्ली की मुख्य मंत्री को उनके पद से बरखास्त किया जाए क्योंकि वह अपना काम जिम्मेदारी से नहीं कर रही हैं। ...(व्यवधान)

**श्री साहिब सिंह** : महोदय, दिल्ली की समस्याओं पर यहां एक बहस हो जाए तो हम सब लोग जो दिल्ली के सांसद हैं, अपनी बात रख सकते हैं और विपक्ष को भी अपनी सफाई देने का मौका मिलेगा। मुख्य मंत्री को तो दिल्ली की समस्याओं के बारे में पता नहीं है। इनको पता है तो ये बहस के दौरान बता देंगे। ...(व्यवधान)

**श्री लाल बिहारी तिवारी :** संसदीय कार्य मंत्री इस पर कुछ कहें। ...(व्यवधान)

**सभापति महोदय :** संसदीय कार्य मंत्री यहां पर हैं। यदि वह चाहते हैं तो इस पर अपनी तरफ से कुछ कह सकते हैं. आपने अपनी बात उठा दी है।

**श्री रामदास आठवले** : महोदय, दिल्ली की पानी की समस्या बहुत गंभीर है। ...(व्यवधान)

**सभापति महोदय :** रामदास जी, आप बैठिये।

**श्री रामदास आठवले** : दिल्ली की बिजली और पानी की समस्या हल करनी है तो इन तीन में से दो लोगों को मंत्री बनाइए।

**सभापति महोदय :** ठीक है, आप बैठिये। This is not the issue.

**श्री प्रियरंजन दासमुंशी :** किसी को मंत्री बनाने की सिफारिश करना मज़ाक नहीं है। हम खुराना जी की बहुत इज्ज़त करते हैं। इतने काबिल आदमी होते हुए भी उनको केन्द्रीय मंत्रिमंडल में क्यों नहीं लिया गया?